

उत्तरायण

पञ्चाङ्गिका
सूक्तसंग्रह

उत्तरायण

2640 I

ASIA ARCHIVES

290 →
Pauca Kunda
Misthan



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 स्तुतः ॥ संस्तुतः स्तुतः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महाकृष्णदीपाय नमः
 वृंक्षदवनावधधर्मसं
 यत्नाः यथिजीउनाद
 नागरीदानपककजमा
 नस्य सर्ववीप्रयुगाक्ति
 र्थं वक्रकप्रहृष्टस्वा
 हा ॥ ॥ श्री. वा. यू. ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 यस्माहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 धियः यस्माहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नायनागाधियः यस्मा
 हा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ययुगाधियः यस्माहा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नयसाहा॥ उं नै नै नै
कसाधियनयसाहा॥
उवायययुताकधिय
नयसाहा॥ उं ॐ सा नै नै
नाधियनयसाहा॥ ॥

थनयूजा. जाला नाकु।

उं ॐ नै नै नै नै नै

वजहसमहावल॥ स

वजहसमहावल॥ स

सो ॐ नै नै नै नै नै

कयन. समय. धाला

मन. उं धम्या॥ ॥ उं

नकाकय प्रनिरासधि

कवधं॥ ॥ श्री दगा

नम. संखलखनहाय

॥ उं रवधु वा हं हं हं हं

हा॥ ॥ थनमी का का

काय॥ यूजा॥ कात्र॥ सस

नक॥ उं वूधवायां दुस

वैरदनजीनसूता॥ दव

नकत्यसना. वृक्षाया ला

कपालासासना दवका

हीसमना साका कल्यान

वीन॥ समकत्रऊनयवी

नानाथन॥ वक्रार्थनापी

पूजा ग. कुरु. गी. की वीऊ

यं दु॥ उगना हं दुजा गं दु

ऊरु॥ ॥ थन हामः

सी. गी. यनन्या॥ य. कृ. य

हावयुक्ता ॥ धनम्
ग्रीवाय नमः ॥ कंक्षामोलास
मीनाय नमः ॥ हृत्कामिनिः
वीर्या ॥ ॐ हल २ हं
॥ मीनाय नमः ॥ यावा
द्यनय ॥ ॐ अग्रय प्रव
वस्त्राय यथा कृष्याया
वसनाय प्रवत्सयनी
कृष्णाहा ॥ ॐ गंखलं
खनहाय ॥ ॐ हाना १ ॥
यस्याहा ॥ ॥ तादुन
याया ॥ ॐ सर्वपापवीर्य
माया हस्मी कृत्तुं रुट्
स्याहा ॥ ॥ ॐ काय
का इह नय ॥ ॐ सर्वपा

पमत्तापय इह रुट् स्याहा
॥ पिताउयक ॥ ॐ सर्वक
॥ गं हस्मी कृत्तुं रुट् स्या
हा ॥ मन् पितामयाउय
क ॥ ॐ सर्वपापदहनका
लय २ इह रुट् स्याहा ॥ ॥
गंखया लखकृत्तुं न
स्य आयकल कृत्तुं ॥ ॥
थनमहादान ॥ अग्रय क
॥ सस्त्रीवाक ॥ ॐ अग्र
य आदीय दीया वीयावी
खमहाशाय हवा कवः
वाहनाय दानयक १ ॥
कीपास्मी कृत्तुं रुट्
अग्रथाय नमः ॐ कृत्तुं २

सा साहा॥ ॥थनम्
मिथायन॥थनम्
लाहानम. गालाहाउना
॥उवऊवऊयम् ३॥उं
कुरुमाजीनामिम(ध्वं
कयाहउपीरुव रूम
कमखचरुहऊवाभउ
दकमधुप्रधप्र४सर्वः
वप्रदाकमाजीधप्र४पी
कामववाधप्र४ऊहयवी
कशीनरु४ऊनामकुकं
माजीनममयाश्रुगीवी
हावा॥उं॥हहीमहाह
न.दवनाह हवीसफः
महीनाहनी४महात्रि

सनीहकाहवसाहा॥ॐ
नमनरुनामिआवाहये
उंआ४टकीऊरुं३॥ ॥
थनवऊ सयालथनी
न॥थनकलंगयालख
हाय॥ ॥उंआग्रय
आदीयंदीणावीषमहा
गीयहवकवावाहनाय
दस ऊहसयसखमीनी
॥उंवऊनऊआ॥ॐनम
नसमयाश्रुग्रयवंगय
॥थननीलाऊन४आक
षर्हणायादियूखनामी
॥ ॥पादाद्यनय॥सा
नवाय॥उंआग्रयवव

५५
स्वायं यावमर्घ्ययुगी
कृष्णहा॥ ॐ अग्नि य नम
स्वाहा॥ ॐ इन्द्रा सनाय न
मस्वाहा॥ ॐ
नमस्वाहा॥ ॐ दधामः
स्वाय नमस्वाहा॥ ॐ स
फविरे नमस्वाहा॥ ॥
युक्ता लास्या नाकु॥ ॥
ॐ अग्नि युक्ता नी कवद
ज्ञा कवद इन्द्रा सनाय नम
ॐ वरु वरु ममदं ४ स
मा दिसर्वस्वधवा नी मः
स्व वीरानवधवी च दी
आम कलधवा वा मया
नी इत्येवमी दयवा वल

पं४ गी वगा वल न नं ४ म
इन्द्रा खवसा नं ये म्मा कद
दयं ४ कृत्वा नी कवयुक्त
वजी नही मना दं ४ वीरु
न हान नयं नी ही न हव
हय यव म्मा नी न मा मी ह
॥ ॥ **थ न ऊ ऊ मान**
४ य न ऊ य क॥ आय ४ य
य ४ म न धा ७॥ ॐ व ऊ स
स्व आ ई रु द स्वाहा॥ ॥
थ न य न स्व ध न॥ य व य
हा युक्ता॥ ॐ ऊ स्वाहा॥ थ
न ऊ ऊ मान॥ की य न न क
ध ल स क स व क॥ ॥ ॥
ॐ यु किं वि व स मा ध म्मा

आसा शुभाहनावीना अ
न्यायापीह दुकर्मसमः
हव॥ ॥थन नका

कय ४ यत्र सथुसं ऊग
सइय॥ ॥उकका

अग्निमखवकायन ऊ
वहलपमानं शुक्रवती
विराव॥ ॥थनस

यायानं ४ यन सयालइ
य॥ ॥उ अग्निथसाहा॥थ

नकग कयइय॥थन
असादसीइय॥ ॥उं

अदीयसाहा॥ अर्कसी॥
उं वज्रसमायवायसाहा

पुहासी॥ ॥उं वज्रअगावा

यसाहा॥ ॥वदीवसी॥ ॥उं
वज्रवाधयसाहा॥ ॥अपा

मार्गीसी॥ ॥उं वज्रकवावा
यसाहा॥ ॥उं वसी॥ ॥उं वज्र

ऊगायसाहा॥ ॥उं इववसी॥
उं वज्रसनीववायसाहा

॥सम्यासी॥ ॥उं वज्रवाधिव
कयसाहा॥ ॥अवगसी॥

उं वज्रवनायसाहा॥ ॥पीवा
गकसी॥ ॥उं वज्रवक्रवीक

यसाहा॥ ॥वक्रनइसी॥ ॥उं
वज्रसधूनयसाहा॥ ॥मधु

सी॥ ॥उं वज्रमसाकयसाहा
॥अससी॥ ॥उं सर्वपायय

समनायसाहा॥ ॥वेकथसी॥

उं वज्र सह का वा य स्वाहा
॥ **आम जमी** ॥ उं वज्र के म
य म मा वा य स्वाहा ॥ **कदा**
वमी ॥ उं वज्र म व मा रु द
य स्वाहा ॥ **गीतामी** ॥ उं व
ज्र ही वा रु क य स्वाहा ॥ **गं**
ही जमी ॥ उं वज्र म धु ना
य स्वाहा ॥ **मदनमी** ॥ उं
वज्र म् य ही न व ज्ञ य स्वा
हा ॥ **कुंगी** ॥ उं वज्र २ पू क
य स्वाहा ॥ **दा हा स्वा** ॥ ॥
थन म् रु द म बी ही इ
या ॥ उं सर्व पा य द ह न
व रु य ४ सर्व द ह २ स्वा
हा ॥ **दुयू मीयू हा कू-रु**

मी ४ ॥ उं वज्र य म् रु स्वाहा ॥
॥ **आ रु रु** ॥ उं वज्र व मा
य स्वाहा ॥ **त रु** ॥ उं वज्र
य म म वा य स्वाहा ॥ **माथ**
रु ॥ उं वज्र वी ज्ञ य स्वा हा
स्वानवा उं वज्र वी ज्ञ रु
वा य स्वाहा ॥ **पू आ** ॥ उं
वज्र म हा व वा य स्वाहा ॥
मासा उं वज्र मा हा का वा
य स्वाहा ॥ **मान** उं वज्र क
वा य स्वाहा ॥ **कयगु** उं व
ज्र रु क म य स्वाहा ॥ **हनी**
उं वज्र म् रु मा वा य स्वा
हा ॥ **पचमास** ॥ उं वज्र क
रु रु मा वा य स्वाहा ॥ **काल**

उवकुसुमाय स्वाहा ॥ म
 ता उवकुसुमवराजाय स्वा
 हा ॥ माया उमवीथमीधि
 य स्वाहा ॥ ॐ का उमवेक
 सपसमना स्वाहा ॥ च का
 उमवसंयदय स्वाहा ॥
 इ इ का ॥ धित्री उं आमेन
 रुवाव स्वाहा ॥ धूकसी उं
 कीरुवन हाकवय स्वा
 हा ॥ ॥ य न मूवाफ
 न साधन ॥ पूजा ॥ अग्नि
 सीमानवीय ॥ ॥ उं
 वकुसुमवराजाय नमः
 धय २ उं आ इरुट स्वाहा
 ॥ स्वाकउयक ॥ ॥

थनयथमा इति ॥ गंध
 ना इति या ध्यान ॥ ॥
 कनावकिनाचमनं क
 वा लाकरुत्रहनामिं
 वीरुवा ॥ ह्नावाकागोर्य
 हा गददीकमत्रदा
 भायत्रिमधुवाधियनी
 ४वीकनीखान वीरुवी
 पत्रीनामन ४मधुवाधि
 पकीसमाधिदुययवी
 लावहनसत्त्वचं वक्र
 कसादीलीवाक ४४ पुव
 भावधात्रमी स्वाहनं स
 मयसत्त्व ४था श्रीवनील
 मीवसमवसीत्यनसह

कीरुनवीरुवा॥ ॥

थनदीगुयासप्रयंयुज

॥ जाय४धय४आ४पा४

य४यु४आ४वा४उरु॥ थ

नरुकीकयइय॥ ॥

उंनमाश्रमीकीकायां

इ४काप्रनऊआरुव

यमानंशुक्रवकीविरा

वा॥ ॥ गखलंख

नहाय॥ इ४आचमन

यमीकसाहा॥ उंयुर्व

वरुयवीयाकनमूल

मरुइइयाक॥ ॥

थनवीवाकसाधन

॥ यववृधसप्रयंनयुः

जा॥ गखलंखनहाय॥

सूत्रावातथीस्य॥ यल

इय॥ मूलमंजुनलीवा

कइय॥ हृदयमरुन॥

कावीहीइय॥ थनहा

नाइमीश्रुमीवीय॥

थनकलससूलापाम

थीयक॥ ॥ थन

इ४आयु॥ ध्यान॥ ॥

उंनमादवनायामरुइ

कयन४सूक्रवकी४ऊआ

रुलनवीकावा॥ आचम

नयमीकसाहा॥ युर्वरु

वरुयवीयाकनमूलमरु

नरुद्रयाम॥ अरुद्रादीक
उरुद्रयामरुद्रयाम॥

॥ **॥ धनदेवता**
रुद्रादीय॥ सुधापाटद
अथीयक॥ ॥ धन
दीगवत्रीवीय॥ ॥

उं धनदीयत्री ४ पुर्वस
नीरुद्रनी विधमनी ४ की
पूजासकलसाधनी
त्राणी ४ मन्त्रधन सूत्रध
त्राणी सुधवत्रन धारवत्र
नी ४ सात्रात्राणी सुस्य
४ पुर्वसादीसी साहा॥ ॥

पूर्व॥ उं सां नी सात्राणी
काणी कात्राणी की कसा

कीपीथीकीवथीधननीव
धनी ४ रुमीधननीसाव
मनी ४ नी सुत्रनी ४ सात्रा
गसाणी ४ सुस्यम दानय
नी ४ दकीनसादीसीसा

हा॥ **॥ दकीन॥** उं कूं
धर्मवत्रा ४ वत्रमनी
त्राणी वत्रः शिवीसा
त्रग्यवीर्यगी वा मन्त्रवनी
कपीय वत्राणी नी नी
वत्राणी नी वी धनी नी व
रुवनी अत्राणी नी
स्य उद नयनी पथिमा
यो दीनी साहा॥ ॥

पकीम॥ उं कूं खत्रव

बाल वीचकन ४ वकन
 आस वयन हीमपर्वन
 ४ खवा (गु) कन न कवा (गु)
 यकीसी वकन वनी चीनः
 काकी ४ सासी खसु ४
 दानयनी उकन वनी दीः
 सी साहा ॥

॥ ३७ ॥

उकन वकन वकन वकन
 यी ४ सा वकन वकन वनी
 ४ खनी वकनी दानी
 सुखवा (गु) कन सावः
 वनी सां नी खसु ४
 नयनी दीग वनी गत्य ४
 साहा ॥

॥ दीगम ॥

॥ ॐ कन ४ कल सर्व
 सत्व वष कति सर्व
 एय एय कति ४ सर्वय
 उ मा ऊ सुत न प न पि
 या वी प वी ना न ह न र
 ग ४ २ व ४ २ ख ख खा
 ही २ ४ ४ २ ॐ आ ४ क

दू त स्वा हा ४ ॥ न नी म
 वलि पू ॥ ४ ॥ रं त ख हा
 यक नी त ४ य का त न वा
 यु म बु ल ध वा र नी त
 व ४ न दू प ति तं का तं न
 अति म बु ल ति कौ न
 त क व ४ ॥ त स्वा प ति हूं
 का त य य सं ता त व ४

ॐ कूट ४ कूल सर्व स ख व भं क
नी सर्व भय भयं क ४ सर्व
यध लाध स भू त पे त पि ह्यो
प ह्यो ना न रु न २ ग २ व ध २
ख ख खा ह २ तू ज २ ॐ आ ४ क
रु त स्या हा २ ~~तानि महा कली~~
संखलं ख हा यः त तो महा वला पूजा

वाक्क

ॐ यं का ते नः वायु मं द्र त धं द्रा
भं नी ल व नः त द् पू लं का ते न
अग्नि मं द्र लः ति को न त को व
र्तः त स्यो प ली हं का त त यः स ज्ञा
तं यु लि को प ती आ का ले जो तं
वु हं दू ता भो ज न वि यो के ४ त
त्र भ क्का हि प ली पू ली तः ॐ कू
कं ओं जीं खं लो मीं पो तां ॥ ॥
ॐ का ल ज त द धा धि तः प चा
मृ त प व प्र दी प लु प नि का ध
वी तो त्र जो प्रे ली ता रि नः ॥ ४ ॥ ता
प वी ली न हं का त जं सू क् वि
लि या मु त भू तः सा त्र स व त न

दे वा नी यं ल क क्षी त ल मू द
धू चा मु त आ क र्ष य तः
ओ क र्षे न पा द्या दि त य
स्या न वो यः अ स्त मा ती का
स्य सृ प प्र जा

पू जा ला स्या तो त सम द्वा य
सू वा हू गा था २

का धा क रे सो वी
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥



28

17

2640 I

ASHA ARCHIVES

थनमायावतीवीय
॥ ॥ सुवाङ्मथा
वाकं ॥ ॥ उंन
मशीवजसुवाय ॥
दवासुमासर्वरुजः
मीदी१काकासुयना
ककयूननाचगन्धव
मीका१गहकाकयथ
यक१पीरुमानिवस
मीदीयानेनषूकान१
यथीनप्रहं१ककाजः
नीवीरुययामीकाम
सयनदानेसहहमः
सय१सखा००हामुः

मन्त्रगथं ॥ ॥ यमी
नृपकंतीवसंकीहवा
१यनहनयवशुवा
त्रयख्यवादनयव
१सूत्रानयष्वचयवा
दयोतंगीवीमशीप्रषू
१नगप्रषूसर्वष्वचय
वका ॥ ॥ मवीसू
वसवीसुं१संगमख
१जलात्रयवापी१रु
नाधिवामावापीजान
ष्वचयंरुषूकमखव
ऊखव१नीमशुषू ॥ ॥
यनामेशाय१मन्त्रका

वशुमात्रयद्वयः ४ गह
षयवः ४ वीहात्रयेत्या
वसथासमभरुमधाष
मात्रासचक्रुजानां॥
यहनांवीरुगहवसं
गीत्रथासषुवः ४ म्यत्र
खजवीकूखमाहायथा
षषुहासमसाभरुप
नखसीहलजोकाषुः खी
कासयववः ४ संकीधाना
समहानवीखदियष
दीवाषु रुकात्रयावः ४
सथासमसाननिवसं
नीयव॥ ॥ यगना

सुगंधमात्रषुषवनी
दीयंवीधरुह्याः ४ गु
मदुहजंरुपीववदं
मदुवकुर्मासहवह
गदु॥ ॥ ॐ दान
वजीसहदवसंधाः ॐ
दुमवगुमदुवववी
सावका॥ ॥ श्रीग
यमनेमन्यहयकीव
ॐ माने व्यापेयगीवाः
यः ४ घनाधयचरुका
धयकीचदवाभः उरु
वद्वकापीनासहव॥
दवासमगाहवीथना

काधवावृत्ता गृह्यगम
सम्यक्ता ४ यतीनं कनी
वदयनी स्वक स्वकाव
४ दसुहता गृह्यं दुस
वसवता सप्तम्या ॥ ॥
साती वृत्तनी ४ कृवं
दुनी नृधुवं वृत्तनी
व्यवृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
नाधियनी वेदमना
वथस ४ रुज्जीवतु
पीवतु ०० नृधुवं कर्म
सकलतु ॥ ॥ ॥
कवीक समस्तानं वा

यवर्तयत्तु गृह्यगम
सम्यक्ता ४ यतीनं कनी
व्यवृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
दुनी नृधुवं वृत्तनी
मातुंगा वृत्तनी ॥ ॥
कृत्तुवृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
आदरुसमसासीक ४ रु
कृत्तुवृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
जावृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
वामृदधा वृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
उत्तादधी नृधुवं वृत्तनी
यावृत्तनी नृधुवं वृत्तनी
यमृत्तनी नृधुवं वृत्तनी

कात्री महाकात्री रथत्र
 कात्री नृकात्री ॥ ६६ ॥
 वन्दी धात्री इनी वव
 की नृदन स्वत्री की वा
 की दीपी धार्या ॥ ६७ ॥
 मा अथीन धात्री धात्र
 वृया महा वृया दी यत्र
 या कयात्री कयात्र मात्र
 मात्र मात्री न्या ॥ ६८ ॥
 साय सहसा ॥ ६९ ॥
 साध नृकात्री यत्र का
 कीत्री महाकात्री ॥ ७० ॥
 मर्मत्र साध ॥ ७१ ॥
 धर्म महाकात्री वरुण

वी अहमावाहया ॥ ७२ ॥
 उंकक कंधन शववव
 धनखखखवन ॥ ७३ ॥
 ययाकय शयनयकी
 ऊर्कमानस्य सांकी धात्री
 कवर्क रुद्र साहा ॥ ७४ ॥
 धनपूजा आययक ॥
 साइय ॥ ७५ ॥
 कहाइय ॥ ७६ ॥
 कसमाधिरुध मंसाहा
 ॥ ७७ ॥
 गन गगन वी शकीनः
 आत्राअयदानयकी
 मकस्य गकी यूसी कः

ब्रह्माहा॥ ॥ आ २४
नेकात्रकंध ४ तुमकी ४
॥ उंवजुयीककायसा
हा॥ पुयं ॥ उंवजुग
॥ धसाहा॥ पं ॥ संगध
॥ उंवजुकां वजीयसाहा
॥ गय. गव॥ उंवजु
वाससाहा॥ जं ॥ ऊंका
॥ उंसूय २ वीयहा
प्रनीयनं जावाजाय ४
दानयुनं नमस्कृत्य ४
साकीससां नुसाहा॥
यं ॥ उंकात्रसां ४ दा
हासा॥ ॥ उंवम

२ याजुदह २ सर्ववा
प्रयसां कीर्थसां कीय
सीकब्रह्माहा॥ व २
गुयी॥ उंवजुधयीका
यसाहा॥ ध॥ उंवजु
लाकडीसाहा॥ धं ॥ ध
॥ ॥ उंवजुयीसां
कायसाहा॥ पं ॥ कप
कतात्रमकी॥ उंवजु
वसकवायसाहा॥ ॥
कं ॥ उंसर्वलांकवा
यसाहा॥ सयीस॥
उंवजुसर्वकवीयसा
हा॥ नूयकंसत्र॥ उंव

जमद ईसाहा॥ यम
 कंगत्र॥ उहव २ ईरु
 टसाहा॥ सी काय॥ उं
 केक २ सर्वका कसीधि
 यसाहा॥ कंकम॥ उंम
 द २ सर्वद व्यान साहा
 ॥ कमु कय २ ४ गात्र
 ४ उं वसा हव साहा॥ २
 कव नन॥ उं कय २
 ईसाहा॥ श्री यय॥ उं
 हीवन यद स्य साहा॥
 गात्र कंगत्र॥ उं सर्व यत्र
 यद स्य साहा॥ मंगल
 नंगत्र॥ उं समय गात्र य

साहा॥ अगु वसी॥ उं सर्व
 संज्ञागसाधयकीयुष्म
 कृन्तुं रुदसाहा॥ गुं गु
 उंकनीधनीसर्वसीकी
 कृन्तुं साहा॥ वककी
 व॥ उं सर्वत्रागयसम
 नायसाहा॥ सावीदिद
 क॥ उं वककीहनायसा
 हा॥ हव४वीहव अ६
 मवयसी॥ उं वकम
 धूनीयसाहा॥ कलीसा
 खव४वइवाक४॥ ॥
 उं सर्वकीन अग्रसा
 हा॥ व४॥ की४४व४॥

साव॥ सखाज॥ यवा॥
उसर्वकीवचनसाहा॥
संध॥ वावी॥ सखाकन
॥ उसर्वसंकनसाहा॥
मध॥ यी॥ यी॥ ॥ ॥
उसर्ववाधियसमनाय
साहा॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
साहा॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वरीवीय॥ ॥ ॥ ॥
यवयुधक॥ वीन्याक
वसवसवर्न॥ वक्रकुः
कामनार्थयुत्रय॥ ॥ ॥
सखीकवदीवा॥ मागंया

वार्थसाककं म्रथाव॥ सा
सखासर्वतासुयदहीः
नसाहा॥ ॥ ॥ ॥
हावाजाया॥ ॥ ॥ ॥
दीयमधालग्यत्रवीनय
कनैः॥ म्रथावर्न॥ दग्य॥
युन्यहमोगुरुककांमः
नाथं॥ गीवामुदकीनह
रु॥ वीमुवायुकीलीग
गीवामुसर्वताहवमात्र
गावयसीसीमाससीसा
हा॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
गीमानोगवाधियकी॥
गीवाजाधियाकगीवा

ऊवा ऊं नुवी कमसाह
 वम्रखं छं दसाधिका
 मनार्थं नरावाधियः
 कीवा ऊं नुवी कमसाह
 सुकुं सर्वगधवीवीय
 नी. सयनसह वक्रं
 साहा॥ **वा ऊं या न॥** उ
 दानयनी वक्रं मानस्य
 ऊं नुवी कमसाह
 मनार्थं नरावाधियः
 या नुवी कमसाह
 शाद उययकां नमहा
 सा ऊं नुवी कमसाह
 दया स्वकी स्वाहा॥ ॥

॥ ऊं नुवी कमसाह ॥
 शावजी वार्थमासुनव
 ऊं नुवी कमसाह
 यासिद्धि मनुसिद्धि वा
 कसिद्धि कामनाथं. ऊ
 थासा सुकुं नुवी कमसाह
 र्थं नुवी कमसाह
 नां नमवी सयनसह वक्रं
 ऊं नुवी कमसाह
 सुकुं सर्वगधवीवीय
 नी. सयनसह वक्रं
 साहा॥ **॥ मूला वार्थ**
या न॥ ॥ थनयन
हनि॥ सुकुं नुवी कमसाह
य नुवी कमसाह ॥ य

॥ यथा यथा वा त्रयपुङ्गा ॥

॥ वृत्तवती ॥ बहस्यम

॥ सा नक्षत्रा नक्षत्रा ॥

॥ वृत्तपुङ्गा ॥ दक्षिणा ॥

॥ मायवती ॥ कथमा नक्षत्रा

॥ कथा ॥ अथा नक्षत्रा विद्या ॥

॥ वीमलवती ॥ धनवती ही

॥ यथा ॥ इति ॥ ॥

॥ नक्षत्रपुर्ववत् अग्निदः

॥ अथा वीरुता ॥ समाद

॥ वंशमक्षुता विद्यमती ॥

॥ संवीरवा वंश ॥ अक्षमः

॥ लभारुता नक्षत्रा नक्षत्रा

॥ अक्षमहता इति ॥ ॥

॥ मन्वसर्वकमी कर्मवृत्ता

॥ नक्षत्रा इति सुमन्वती

॥ मन्व ॥ ॥ अनेनः

॥ लुखीना वक्ति ॥ अनेन

॥ इति पुर्ववत् ॥ सा नक्षत्रा

॥ हीती नक्षत्रा ॥ इति वा

॥ मन्ववती ॥ पुर्ववत्

॥ मन्ववती ॥ इति वा

॥ मन्ववती ॥ इति वा

॥ कर्मवृत्ता ॥ वीरुता

॥ यमहा वंशमहवः

॥ अक्षमहव ॥ अक्षमहव

॥ अक्षमहव ॥ अक्षमहव

॥ अक्षमहव ॥ अक्षमहव

यत्तथाधर्मोऽत्राज्ञा
नागाश्चगधवासुज
कीनराऽनायकीना
स्तीतादेवाश्चाग्निस्तु
नीवासीनऽमहाजा
ऊथीनायवऽनीमा
न समकीनऽनीमा
नववीवाश्चशुधावा
यगाश्चयः मावीवीवा
कधातुमासहाधातु
नीवासीनवदुद्विष
स्तीतासत्वास्तुनाय
वकीधातुवृहाजन

सत्यनाकाचवनागु
मरुनादयऽमदीना
रुमोस्तुनायववीना
योगीयात्ररुसर्वक
र्मनीनी रुऽवाचय
याकनास्यदाधर्मस
यान्नायवऽइरुया
गताभयः॥ इजंगुमा
याश्चसायुहाकनीनी
वासीनऽमूहीमुखी
स्तुनायव ऊवसाध
युमीमनाः॥ दुगर्हमी
श्चयानाथश्चायायाः

पूनावय. संवृक्षासा
वका. (धैव. खर्जवी
कनी. नृषीनं. पकन
कडुगवा॥ दवागुन
वमूकका ४पीनहह
नाममागकानी॥ ऊ
ऊगुमाक॥ उआरुह
हवहनादानयनीअ
मूकस्य॥ ऊथाहिनः
खीकयून २ गवय
धुहानियमीकखा
हा॥ ॥ धनना
पनयाय॥